बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

अप्रैल 2021

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची पेज नं.

(A) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम 01–02

(B) ''बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन' विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम'' 03

(C) राज्य में हो रही अगलगी की घटनाओं की रोकथाम के आलोक में महानिदेशक, बिहार अग्निशमन सेवा एवं अन्य पदाधिकारियों की बैठक 04–05

(D) "अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)" के आयोजन के लिए तैयारी बैठक 06

(E) "अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)" के दौरान प्राधिकरण स्तर से विभिन्न हितभागियों के सहयोग से सम्पन्न हुए कार्य 07

(F) राजधानी पटना में होर्डिंग्स डिस्पले कर अगलगी से बचाव की दी गयी जानकारी 08–09

(G) पटना के चिन्हित **Slums** में अग्नि सुरक्षा एवं कोविड–19 संक्रमण से बचाव के के लिए जन–जागरूकता अभियान 10

(H) "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रमः मास्टर ट्रेनर्स (पुरूष/महिला) के रिफ्रेशर प्रशिक्षण 11

(I) सुरक्षित तैराकी का कार्यक्रमः समुदाय स्तर पर बालक/बालिकाओं का प्रशिक्षण 12–13

(J) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम 14

(K) ''आपात स्थिति में पशु प्रबंधन'' के लिए पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 15–16

(L) बिहार में गर्म हवाएं/लू की कार्य योजना **(Heat Action Plan)** पर वेबिनार कार्यशाला 17

(M) बहु–आपदा जोखिम एव न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण 18

(N) **BSDRN:** संसाधनों की जानकारी जरूरी 19

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन (अप्रैल, 2021)

(A) मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

वर्तमान समय में Covid–19 वैश्विक महामारी के कारण राज्य के सभी विद्यालय बंद हैं। इस वजह से सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम भी नहीं चलाया जा सका है। इस वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए राज्य के सभी सरकारी/गैर–सरकारी/मदरसा बोर्ड/संस्कृत शिक्षा बोर्ड आदि द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के एक–एक फोकल शिक्षकों का ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से प्रशिक्षण प्रारम्भ किया गया है। फोकल शिक्षकों के तीन दिनों के पूर्व निर्धारित प्रशिक्षण कार्यक्रम को ऑनलाइन 13 सत्रों में विभाजित कर प्रत्येक फोकल शिक्षकों को 13 सत्रों का ऑनलाइन प्रशिक्षण दिया जा रहा है। दिनांक 08 अप्रैल से बक्सर और जहानाबाद जिले के फोकल शिक्षकों का 13 सत्रों का प्रशिक्षण दिया हुआ। गया जिले के फोकल शिक्षकों का प्रशिक्षण 27 अप्रैल से प्रारम्भ किया गया।

फोकल शिक्षकों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सत्रानुसार शामिल हुए प्रतिभागियों की संख्या इस प्रकार हैः–

जिला	सत्र सं.	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
बक्सर एवं जहानाबाद विद्यालयों की कुल संख्या – (1544+1031) 2575	1	08.04.2021	1319
	2	08.04.2021	1132
	3	09.04.2021	1300
	4	09.04.2021	1028
	5	10.04.2021	1191
	6	10.04.2021	1093
	7	12.04.2021	1042
	8	12.04.2021	883
	9	13.04.2021	1012
	10	13.04.2021	928
	11	15.04.2021	962
	12	15.04.2021	818
	13	16.04.2021	1024

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

जिला	सत्र सं.	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या
गया विद्यालयों की कुल संख्या = 3949	1	27.04.2021	1980
	2	27.04.2021	1825
	3	28.04.2021	1971
	4	28.04.2021	1903
	5	29.04.2021	1967
	6	29.04.2021	1849
	7	30.04.2021	1887
	8	30.04.2021	1788

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(B) "बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का 'आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन' विषय पर तीन दिवसीय व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम"

प्राधिकरण की 5वीं (दिनांक 25.06.2011) एवं 11वीं (दिनांक 16.11.2017) बैठक में लिए गये निर्णय के आलोक में प्राधिकरण द्वारा बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों का "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण बिपार्ड के सहयोग से देने का निर्णय लिया गया। बिहार पुलिस सेवा के अधिकारी राज्य, जिला एवं अनुमंडल स्तर पर विधि व्यवस्था संधारण, अपराध नियंत्रण एवं आमजन को सुरक्षा प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते ही नही हैं, बाकि मानवजनित एवं प्राकृतिक आपदाओं में भी राज्य की ओर से प्रथम रिस्पॉडर का कार्य भी करते हैं। विशेषकर मानवजनित आपदाओं जैसे भगदड़, सड़क/रेल/हवाई दुर्घटनाओं एवं अगलगी में इनकी भूमिका प्राथमिक महत्त्व की हो जाती है। साथ ही वे प्राकृतिक आपदाओं की दशा में राहत एवं बचाव कार्यों के सुचारू रूप संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अतएव यह आवश्यक हो जाता है कि आपदा प्रबंधन की बदली हुई अवधारणा की पृष्ठभूमि में "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर इनका क्षमतावर्द्धन किया जाए।

इस निर्णय के आलोक में बिहार पुलिस सेवा के पदाधिकारियों की "आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन" विषय पर तीन दिवसीय व्यावसायिक प्रशिक्षण के आठवें चरण में दिनांक 06.04.2021 से 08.04.2021 तक बिहार पुलिस सेवा के 21 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किये। इस प्रकार अप्रैल तक कुल पुलिस सेवा के 178 पदाधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर लिये हैं। इस प्रशिक्षण में मानव जनित आपदाओं में पुलिस की भूमिका, प्राकृतिक आपदाओं में पुलिस की भूमिका, भीड़ प्रबंधन, अस्पताल पूर्व चिकित्सा, अग्नि एवं भूकम्प सुरक्षा पर मॉकड्रिल आदि के बारे में विशेषज्ञों के द्वारा जानकारी दी गयी।

(C) राज्य में हो रही अगलगी की घटनाओं की रोकथाम के आलोक में महानिदेशक, बिहार अग्निशमन सेवा एवं अन्य पदाधिकारियों की बैठक

बैठक का आयोजन दिनांक 05.04.2021 को प्राधिकरण कार्यालय स्थित में उपाध्यक्ष महोदय के कक्ष में सम्पन्न हुई।

राज्य में हो रही अगलगी की घटनाओं की रोकथाम के आलोक में महानिदेशक, बिहार अग्निशमन सेवा एवं अन्य पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में राज्य में हो रही अगलगी की घटनाओं की रोकथाम हेतु विभिन्न उपायों/गतिविधियों पर चर्चा की गई एवं निम्नलिखित निर्णय लिए गएः–

1. नवादा, औरंगाबाद एवं बांका जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग के हाइड्रेन्ट्स के सूख जाने की सूचना है। इस आलोक में प्राधिकरण स्तर से तत्काल कार्यरत
   सभी हाइड्रेन्ट्स की सूची लोक स्वास्थ्य एवं अभियंत्रण विभाग से प्राप्त कर बिहार अग्निशमन सेवा को उपलब्ध कराया जाएगा।
2. अग्नि सुरक्षा विषय पर जिंगल बनवाकर उसे रेडियो के माध्यम से प्रचार–प्रसार का निर्णय लिया गया।
3. Whats App Message/Mobile Mass Message के द्वारा जीविका दीदी/आगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के बीच जन–जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार का निर्णय लिया गया।
4. जीविका दीदियों के साथ बैठक कर अग्नि सुरक्षा संबंधी जानकारी एवं उन्हें प्रचार–प्रसार सामग्री उपलब्ध करवाकर गाँव–गाँव में लोगों को जागरूक करने का निर्णय लिया गया।
5. अग्निशमन सेवा की नुक्कड़ नाटक टीम को प्राधिकरण स्तर से ड्रेस (ट्रैकसूट-BSDMA एंव अग्निशमन सेवा के Logo सहित) प्रदान कर नुक्कड़ नाटक करवाने का निर्णय लिया गया।

   प्राधिकरण स्तर पर पूर्व से विभिन्न कार्यक्रमों में कार्यरत नुक्कड़ नाटक टीमों को जिलों में भी भेजा जा सकता है। जिलों में इन टीमों के रहने की व्यवस्था स्थानीय समादेष्टा, अग्निशमन सेवा द्वारा किया जाएगा। नुक्कड़ नाटक टीम के सदस्यों को आवश्यकता के अनुसार मास्क एवं सेनेटाइजर भी उपलब्ध कराये जाएंगे।
6. अग्नि सुरक्षा हेतु जन–जागरूकता एवं प्रचार–प्रसार हेतु गैर सरकारी संस्थाओं का सहयोग भी प्रखण्ड/पंचायत स्तर पर लेने का निर्णय लिया गया।
7. पटना जिले में Third Gender, नुक्कड़ नाटक टीम के सहयोग से अगलगी से सुरक्षा हेतु नुक्कड़ नाटक के मंचन का निर्णय लिया गया।
8. पटना जिले में ऐसे कई बड़े अपार्टमेंट्स हैं जिनके द्वारा अग्निशमन का NOC नही लिया

गया है। ऐसे सभी अपार्टमेंट्स को चिन्हित कर फायर ऑडिट हेतु कैलेण्डर बनाकर मुख्यालय स्तर पर स्पेशल टीम बनाने का निर्णय लिया गया।

साथ ही बिल्डर एशोसियेशन के साथ बैठक कर उनसे ऊंचे एवं बड़े अपार्टमेंट्स की सूची प्राप्त कर मुख्यालय स्तर पर गठित टीम से उनका फायर ऑडिट करवाना, फायर ऑडिट के पश्चात तय समय सीमा में फॉलोअप कर इसका अनुपालन सुनिश्चित कराना और अनुपालन नहीं होने पर फायर नियम (Fire Rules) के तहत कार्रवाई करने का निर्णय लिया गया।

9. महिला महाविद्यालयों/बालिका उच्च विद्यालयों एवं बालिका मध्य विद्यालयों में फायर ड्रिल का आयोजन कर जन–जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा ताकि बच्चियां इसमें ज्यादा रूचि ले सकें और अपने घर के लोगों को अग्नि सुरक्षा से संबंधित जागरूकता एवं बचाव की जानकारी दे सकें।

रा0अ0पदा0 एवं स0रा0अ0पदा0 द्वारा माह मई 2021 से ऐसे बड़े कॉलेजों/विद्यालयों में अपनी मोजुदगी में कार्यक्रम आयोजित कराने का निर्णय लिया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(D) "अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)" के आयोजन के लिए तैयारी बैठक

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा **"अग्नि सुरक्षा के लिए सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)"** के दौरान होने वाली गतिविधियों पर चर्चा करने हेतु ऑनलाइन बैठक हुई। श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में दिनांक 10 अप्रैल 2021 को सम्पन्न बैठक में प्राधिकरण के वरीय सदस्य डॉ. उदयकान्त मिश्र, सदस्य श्री पी. एन. राय एवं श्रीमती शोभा ओहटकर, महानिदेशक, बिहार गृह रक्षा वाहिनी एवं अग्निशमन सेवा बैठक में शामिल हुए । बैठक में बिहार अग्निशमन सेवा, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों NDRF, SDRF, BIAG एवं अन्य संस्थाओं, संगठनों के पदाधिकारियों तथा प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में आग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान हितभागियों के सहयोग से ऑनलाइन कार्यक्रमों का आयोजन कोविड प्रोटोकॉल के तहत आयोजित करने का निर्णय लिया गया ।

जन–जागरूकता के उद्देश्य से अग्नि सुरक्षा संबंधी होर्डिंग्स का प्रमुख स्थानों पर डिस्प्ले, अग्नि सुरक्षा विषय पर लघु विडियो क्लिप तैयार करना अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान चिन्हित जिलों के पदाधिकारियों एवं अन्य हितभागियों की अग्नि सुरक्षा विषय पर ऑनलाईन संवेदीकरण, प्रचार–प्रसार सामग्रियों के माध्यम से अग्नि सुरक्षा एवं कोविड–19 संक्रमण की रोकथाम व जागरूकता संबंधी गतिविधियों के आयोजन का निर्णय लिया गया। अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान विभिन्न समाचार पत्रों में advisory का प्रकाशन एवं Mobile Mass Messaging कर लोगों को जागरूक करने का भी निर्णय लिया गया। `

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(E) "अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)" के दौरान प्राधिकरण स्तर से विभिन्न हितभागियों के सहयोग से सम्पन्न हुए कार्य

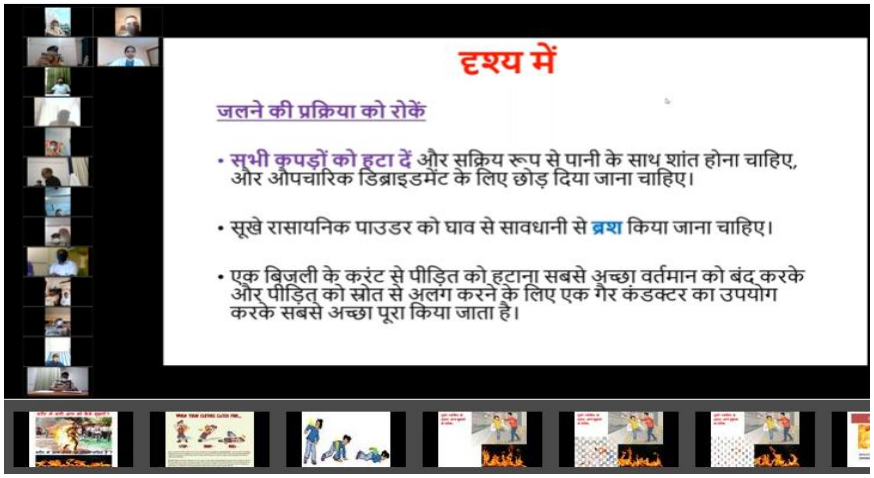

प्राधिकरण द्वारा अग्निशमन सेवा, एम्स, पटना एवं अन्य हितभागियों के सहयोग से अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान 15 , 17 , एवं 20 अप्रैल 2021 को राज्य के चिन्हित जिलों में ऑनलाईन संवेदीकरण कार्यक्रम चलाया गया। इस ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम में पटना, नालंदा, रोहतास एवं गया, कैमूर (भभुआ), मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण एवं वैशाली, सारण, भागलपुर, औरंगाबाद एवं समस्तीपुर आदि के जिला, अनुमंडल एवं प्रखण्ड स्तर के पदाधिकारियों, अग्निशमन पदाधिकारियों एवं समुदाय की भागीदारी हुई। अगलगी की घटनाओं का परिदृश्य एवं रोकथाम में अग्निशमन सेवा की भूमिका, अगलगी के दौरान बचाव के तरीके तथा अगलगी के दौरान जलने पर आवश्यक प्राथमिक उपचार आदि के बारे में ऑनलाइन जानकारी दी गयी। इस कार्यक्रम में लगभग 250 से अधिक पुलिस पदाधिकारी शामिल हुए।

उल्लिखित ऑनलाइन संवेदीकरण कार्यक्रम में प्रतिभागियों की उपस्थिति सहित जिलों का विवरण इस प्रकार है:–

क्र0सं0	जिला का नाम	दिनांक	प्रतिभागियों की संख्या (लगभग)
1	पटना, नालंदा, रोहतास एवं गया	15.04.2021	80
2	कैमूर (भभुआ), मुजफ्फरपुर, पूर्वी चम्पारण एवं वैशाली	17.04.2021	65
3	सारण, भागलपुर, औरंगाबाद एवं समस्तीपुर	20.04.2021	75
		कुल	**210**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(F) राजधानी पटना में होर्डिंग्स डिस्पले कर अगलगी से बचाव की दी गयी जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राजधानी पटना के विभिन्न जगहों पर होर्डिंग्स लगाकर लोगों का अगलगी से बचाव की जानकारी दी गयी। होर्डिंग्स का यह डिस्पले विस्कोमान भवन, गांधी मैदान, पंत भवन के पास, कार्मेल हाई स्कूल, बेली रोड, विकास भवन के समीप, इको पार्क गेट नं0–01 ललित भवन मोड़ सरदार बल्लभ भाई पटेल स्मृति गोलंबर, पटना जंक्शन (महावीर मंदिर) चिड़ियाँघर गेट नं0–02 इनकम टैक्स कार्यालय के साथ–साथ अन्य स्थानों किया गया।

ग्रामीण क्षेत्रों में अगलगी से बचाव के उद्देश्य से प्रचार– प्रसार सामग्री का मुद्रण : बिहार अग्निशमन सेवा के अनुरोध पर प्राधिकरण द्वारा 200300 हैंड बिल, 50000 पोस्टर, 1000 फ्लैक्स एवं 65000 पिन–फ्लैग का मुद्रण करवाकर अग्निशमन सेवा को उपलब्ध कराया गया। ग्रामीण समुदाय में अग्नि सुरक्षा के बारे में जन जागरूकता हेतु इन प्रचार प्रसार सामग्रियों को बिहार के सभी जिलों में जिला अग्निशमन पदाधिकारी के माध्यम से वितरित करवाया गया।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

"अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल 2021)" के दौरान एडवायजरी का प्रकाशन

अग्नि सुरक्षा सप्ताह के दौरान राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों में दो दिन`अगलगी से सुरक्षा एवं बचाव के तरीकों के संबंध में Advisory का प्रकाशन करवाया गया ।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा अग्नि सुरक्षा के प्रति जन–जागरूकता के प्रचार–प्रसार हेतु टी0वी0 चैनलों के माध्यम से माह मई –जून 2021 के दौरान प्रत्येक सप्ताह में "Fire Safety at Home" एवं "Fire Safety : Farming/Livestock Work" से संबंधित वीडियो क्लिप्स के प्रसारण का निर्णय लिया गया है।

(G) पटना के चिन्हित Slums में अग्नि सुरक्षा एवं कोविड–19 संक्रमण से बचाव के लिए जन–जागरूकता अभियान

प्राधिकरण द्वारा सेव दी चिल्ड्रेन के सहयोग से अग्नि सुरक्षा सप्ताह (14–20 अप्रैल, 2021) के दौरान कोविड प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए अग्नि सुरक्षा और कोविड–19 महामारी संक्रमण की रोकथाम के उद्देश्य से कमला नेहरू नगर और केटारी (अदालतगंज) Slums में जागरूकता अभियान चलाया गया। समुदायों के बीच डोर टू डोर जन–जागरूकता अभियान के तहत इस अभियान में लगभग 360 घरों के सदस्यों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम Slum बस्तियों के स्थानीय युवकों की भागीदारी हुई और सहयोग मिला। प्राधिकरण द्वारा अगलगी से बचाव के उपाय एवं कोविड संक्रमण की रोकथाम विषय पर तैयार की गई प्रचार–प्रसार सामग्रियों का समुदाय के बीच वितरण किया गया ।

डोर टू डोर जन–जागरूकता अभियान के दौरान समुदाय को अग्नि सुरक्षा हेतु प्रदान की गई जानकारियों में से कुछ महत्वपूर्ण निम्नलिखित है :

- सुबह 09:00 बजे से पहले और शाम को 06:00 बजे के बाद खाना बनाने की सलाह दी गई।
- खाना बनाने के बाद आग को पूरी तरह बुझा दें।
- आग लगने पर घबराएं नही, 101 नंबर पर फोन करें।
- आग बुझाने के लिए हमेशा चूल्हे के पास पानी से भरी बाल्टी और रेत से भरी बोरी रखें।

(H) "सुरक्षित तैराकी" कार्यक्रमः मास्टर ट्रेनर्स (पुरूष/महिला) का रिफ्रेशर प्रशिक्षण

'सुरक्षित तैराकी' कार्यक्रम के अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा NINI एवं SDRF के सहयोग से खगड़िया जिला के चिन्हित प्रखंडों के मास्टर ट्रेनर्स का 03 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण अप्रैल माह 2021 में सम्पन्न हुआ। कोविड–19 की वजह से मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से समुदाय स्तर पर संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों को मार्च माह 2020 में स्थगित करना पड़ा था। इस कार्यक्रम के स्थगित हुए लगभग एक वर्ष के अंतराल की वजह से प्राधिकरण स्तर पर मास्टर ट्रेनर्स को 03 दिवसीय रिफ्रेशर प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया।

उक्त रिफ्रेशर प्रशिक्षण के दौरान मास्टर ट्रेनर्स की भागीदारी में एतद् विषयक प्रशिक्षण मॉड्यूल के अनुसार 09 दिवसीय मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण की पुनरावृति एवं उनके द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। रिफ्रेशर प्रशिक्षण के दौरान समुदाय स्तर पर बालक/बालिकाओं के लिए निर्धारित 12 दिवसीय प्रशिक्षण की प्रक्रिया सहित सभी आवश्यक विषयों जैसे तैराकी प्रशिक्षण की तकनिकी ज्ञान, डूबने से बचाने हेतु सहायता एवं बचाव के तरीके, प्राथमिक उपचार, बंशी–जाल एवं झग्गड़/काँटा से डूबे हुए व्यक्ति/सामग्रियों की तलाश, सर्पदंश प्रबंधन एवं बाल संवेदनशीलता आदि विषयों पर सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

अप्रैल माह 2021 में सम्पन्न हुए रिफ्रेशर प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित हैः–

क्र0सं0	जिला का नाम	प्रखण्ड का नाम	रिफ्रेशर प्रशिक्षण की तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1	खगड़िया	परबत्ता एवं गोगरी	07–09 अप्रैल 2021	19
			कुल	**19**

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(I) सुरक्षित तैराकी कार्यक्रमः समुदाय स्तर पर बालक/बालिकाओं का प्रशिक्षण

सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत पटना जिले के दानापुर, मनेर एवं पंडारक प्रखण्डों एवं बेगूसराय जिले के मटिहानी प्रखण्ड में जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर 06 से 18 आयु वर्ग के छात्र/छात्राओं का प्रशिक्षण मार्च एवं अप्रैल माह 2021 में प्रारंभ किया गया। उक्त प्रशिक्षण का क्रियान्वयन संबंधित जिला प्रशासन द्वारा NINI, पटना में प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से प्रारंभ हुआ।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पटना एवं बेगूसराय द्वारा सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम के अंतर्गत छात्र/छात्राओं, का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य में डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम एवं उनमें कमी लाना है। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित प्रखंडों के नदियों के चयनित घाटों पर बनाए गए अस्थायी तरणताल में प्रदान किया गया। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले छात्रों को तैराकी ड्रेस प्रदान किया गया, जबकि छात्राओं को प्रशिक्षण के प्रथम दिन ही तैराकी ड्रेस प्रदान किया गया था। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र/छात्राओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार एवं सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र दिया गया। प्राधिकरण स्तर से कार्यक्रम संचालन हेतु वित्तीय और तकनीकी सहयोग प्रदान किया गया।

03 से 14 अप्रैल 2021 तक बेगूसराय जिले के मटिहानी में 18 बालकों ने प्रशिक्षण दिया गया।

इस प्रकार से मार्च 2021 में 171 छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ अब तक कुल 189 छात्र/छात्राओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। कोरोना महामारी कि दूसरी लहर को देखते हुये इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा स्थगित करना पड़ा। स्थिति सामान्य होते ही चिन्हित प्रशिक्षण स्थलों पर यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुणः शुरू किया जायेगा।

(J) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम के तहत राज्य के अस्पतालों को अग्नि से सुरक्षित बनाने हेतु दिनांक 26.04.2021 को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा राज्य अग्निशमन सेवा के 23 जिला समादेष्टा सहित कुल 40 अधिकारियों का '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' पर उन्मुखीकरण एवं क्षमतावर्धन किया गया जिससे कि राज्य अग्निशमन के अधिकारियों को प्रमुख सरकारी एवं निजी अस्पतालों का अग्नि–अंकेक्षण करने में आसानी हो। इस कार्यक्रम में '16 बिन्दु अग्नि प्रवणता सूचकांक' में उद्धरित प्रत्येक उपायों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई ताकि इसके आधार पर अस्पतालों का अग्नि सुरक्षा उपायों का सही मूल्यांकन किया जा सके एवं अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा संबंधित जरूरी उपायों को सुनिश्चित किया जा सके।

अग्निशमन सेवा के सहयोग से राज्य के 895 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया है जिसमें 597 निजी एवं 298 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। निरीक्षण के दौरान अस्पतालों में त्वरित रूप से आवश्यक उपायों पर जोर दिया गया जिससे कि अग्नि की कोई घटना इन अस्पतालों में ना हो और ऐसी किसी भी घटना को तुरन्त काबु कर इससे होने वाले जान–माल के नुकसान को रोका जा सके। आगे भी इस प्रयास की निरन्तरता को जारी रखते हुए राज्य के अधिकांश अस्पतालों का अग्नि–अंकेक्षण कर आवश्यकतानुसार अग्नि सुरक्षा उपायों एवं उपकरणों को अधिष्ठापित कर उन्हें अग्नि आपदा से सुरक्षित बनाने की योजना है।

(K) "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" के लिए पशुधन सहायकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण

बिहार एक बहु–आपदा प्रवण राज्य है, जहाँ सभी तरह की प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाएं घटित होती है। यह राज्य जहाँ एक ओर लगभग हर वर्ष बाढ़ के प्रकोप को झेलता है वहीं दूसरी ओर सुखाड़, अग्निकांड, शीतलहर एवं लू इत्यादि आपदओं से भी इस राज्य का एक बड़ा भू–भाग प्रभावित रहता है।

इन आपदाओं से मानव ही नहीं बल्कि पशु भी प्रभावित होते हैं और आपदाओं की स्थिति में मानव के साथ–साथ पशुधन की भी बड़े पैमाने पर क्षति होती है। यद्यपि की आपदाओं को घटित होने से रोका तो नही जा सकता है, किन्तु इनसे होने वाली क्षति को कम करने के लिए पशुधन सहायकों का कौशल विकास कर तथा आपदाओं के खतरों की पहचान कर पशुधन की सुरक्षा का समुचित प्रबंधन किया जा सकता है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, एवं बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 13.08.2019 को बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय के सभागार में राज्य पशु आपदा प्रबंधन योजना के प्रारूप पर चर्चा कर उसे अंतिम रुप देने हेतु एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के सचिव के द्वारा अनुरोध किया गया कि "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" विषय पर पशु चिकित्सकों के तर्ज पर पशुधन सहायकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

उपर्युक्त वस्तुस्थिति के मद्देनजर "आपात स्थिति में पशु प्रबंधन" विषय पर पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार सरकार के पशुधन सहायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग एवं बिहार भेटनरी कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 15 फरवरी, 2021 से आरम्भ किया गया। फरवरी के

तीन बैच में आयोजित इस प्रशिक्षण में 57 पशुधन सहायकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य है कि बहु–आपदाओं की स्थिति में आपदा के पहले, आपदा के दौरान एवं आपदा के बाद में किस तरह से पशुओं की सुरक्षा एवं प्रबंधन किया जाय। 05–07 अप्रैल, 2021 को आयोजित इस प्रशिक्षण में 30 पशुधन सहायकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रकार अप्रैल 2021 तक कुल 03 बैचो में 57 पशुधन सहायकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(L) बिहार में गर्म हवाएं/लू की कार्य योजना (Heat Action Plan) पर वेबिनार कार्यशाला

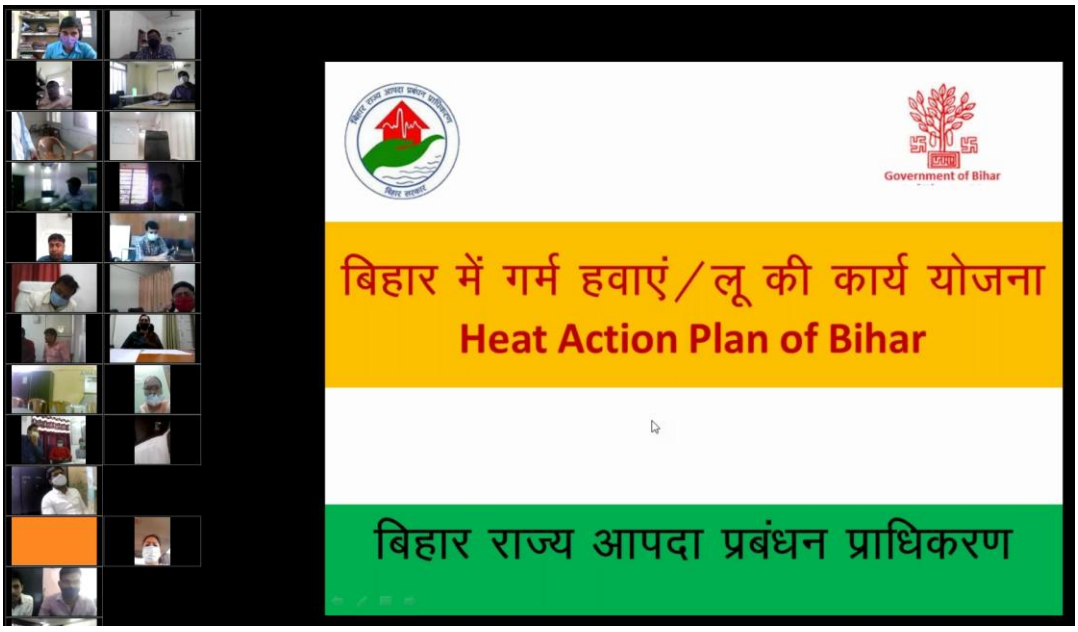

दिनांक 09 अप्रैल 2021 को श्री व्यास जी, उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में बिहार में गर्म हवाएं/लू की कार्य योजना (Heat Action Plan) पर हितधारकों द्वारा योजना के क्रियान्वयन की अद्यतन स्थिति पर चर्चा के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विभिन्न हितधारक विभाग यथा शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उर्जा विभाग एवं आपदा प्रबंधन विभाग, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आपदा प्रबंधन पदाधिकारी, नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत एवं पंचायत प्रतिनिधियों के साथ साथ सिविल सोसाइटी के प्रतिनिधियों की भागीदारी हुई। कार्यशाला में निर्णय लिया गया के सभी हितभागी गर्म हवाएं/लू से आम जन के बचाव हेतु Heat Action Plan के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे ताकि राज्य के लोगों को लू एवं गर्म हवाओं जैसी आपदा के समय सुरक्षा की जा सके।

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(M) बहु–आपदा जोखिम एव न्यूनीकरण विषय पर सामुदायिक स्वयंसेवकों का प्रशिक्षण

हमारा बिहार राज्य बहु–आपदा प्रवण राज्य है। फलतः हमारे गाँव, पंचायतों, प्रखण्ड एवं जिलों में विभिन्न तरह की आपदाएँ आती रहती हैं। पंचायतों में कुछ नौजवान आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन हेतु जरूरी ज्ञान और हुनर सीख लें तो वे अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिले को आपदाओं से सुरक्षित रख सकते हैं।

इस उद्देश्य हेतु प्रशिक्षण के माध्यम से बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण राज्य के प्रत्येक पंचायत में 10–10 उत्साही नौजवानों/नवयुवतियों को प्रशिक्षित कर आपदाओं के प्रत्युत्तर हेतु तैयार कर रहा है ताकि आपदाओं से सुरक्षा प्रदान करने में वे अपने समुदाय के मददगार हो सकें। उद्देश्य है अपने गाँव, पंचायत, प्रखंड एवं जिला स्तर पर विभिन्न आपदाओं की प्रवणता की जानकारी हासिल करना एवं उन आपदाओं के जोखिम–न्यूनीकरण तथा प्रबंधन में समुदाय की सहायता करने हेतु स्वयं को तैयार करना है। इस क्रम में अप्रैल माह में दिनांक 05.04.2021 से 17.04.2021 जिला पूर्णिया के धमदाहा प्रखंड के कुल 40 स्वयसेवकों को 12 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कोविड–19 के दृष्टिगत सामाजिक दूरी का पालन करते हुये 20–20 की संख्या में दो क्लासों में प्रशिक्षण दिया गया। अप्रैल माह तक पुर्णिया जिले के कुल 160 स्वयसेवकों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

(N) BSDRN: संसाधनों की जानकारी जरूरी

Bihar State Disaster Resource Network BSDRN एक वेब आधारित प्लेटफार्म तैयार किया गया है। यह प्लेटफार्म विभिन्न उपकरणों, प्रशिक्षित मानवीय संसाधनों एवं अत्यावश्यक सामग्रियों की जानकारी आपदा रिस्पांस के लिए उपलब्ध कराता है। इसका प्रमुख उद्देश्य आपदा के समय उपयोग होने वाले उपकरणों एवं मानव संसाधनों आदि के विषय में सही जानकारी उपलब्ध कराना है, ताकि बिना समय गवाएं आपदा का सामना किया जा सके। इसके माध्यम से विभिन्न जिलों में विभिन्न आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियों का अनुमान भी लगाया जा सकेगा। इसके माध्यम से आपदा के वक्त (Golden Hour) में लोगों तक प्रभावी रिस्पांस एवं राहत पहुंचा कर उनकी जान बचायी जा सकेगी।

आपदाओं से निपटने की चुनौतियांः–

1. पेशेवर तरीके से आपदाओं से निपटने के लिए प्रमुख चुनौतियों में से एक संसाधनों की व्यवस्थित सूची की कमी होती है। यदि व्यवस्थित सूची उपलब्ध हो तो बचाव के कार्य सफलता पूर्वक सम्पन्न किया जा सकता है। इस सूची में बचाव के उपकरण और कुशल मानव संसाधननों आदि की उपलब्धता पूरी की जानकारी होनी चाहिए।
2. संसाधनों की सूची का अभाव प्रभावी और तेजी से प्रतिक्रिया में देरी करता है, यह घातक हो सकता है। BSDRN पोर्टल में अप्रैल तक कुल 8104 डेटा की इंट्री विभिन्न विभागों, विभिन्न जिलों तथा निजी संस्थानों के द्वारा की गई।
3. इस पोर्टल पर संख्याओं के कुल छः Category बनाई गयी है। सभी Categories में अलग–अलग अंकित संसाधनों की संख्या है। इस केटोगरी पर क्लीक करते ही सम्पूर्ण ब्योरा प्राप्त हो जाता है। इससे आपदा से निपटने में जुटी एजेंसियों को पता चलता है कि कहां कौन सामग्री उपलब्ध है।

अप्रैल 2021 तक संधारित आंकड़ों के अनुसार 8104 प्रकार के मानव बल समेत अन्य उपकरण आदि उपलब्ध हैं जो इस प्रकार हैः

खोज एवं बचाव उपकरण :–2866
कुशल जनशक्ति :–3169
परिवहन :–152
भोजन और जल स्त्रोत :–265
सुरक्षा और आश्रेयः– 1488
आपातकालीन आपूर्ति और सेवाएं :– 164
कुल संख्या :– 8104